आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में शिक्षण संस्थानों की अहम भूमिका : राजनाथ सिंह

उदयपुर में भूपाल नोबल्स विद्या प्रचारिणी सभा का 104 वां स्थापना दिवस मनाया

उदयपुर, (कासं)। शिक्षा व्यवस्था की मजबूती का आधार शिक्षक होता है। शिक्षक को समाज में सम्मान की दृष्टि से देखा जाना चाहिए, क्योंकि इतिहास साक्षी है कि शिक्षकों ने अनेक बार सामाजिक परिवर्तनों की नींव रखी है, जो झुकना जानता है, वही उठना भी जानता है। शिक्षा को सम्मान देने से शिक्षा स्वयं विकास का पर्याय बन जाती है। ज्ञान के सही प्रयोग के लिए विवेक अनिवार्य है। विवेकयुक्त ज्ञान ही कल्याणकारी होता है, अन्यथा वही ज्ञान विनाश का कारण भी बन सकता है। विवेक का विकास व्यक्ति के भीतर करना आवश्यक है। विद्यार्थियों को कैसे सोचना है, सर्वांगीण दृष्टि कैसे विकसित करनी है इस दिशा में विश्वविद्यालयों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह विचार शुक्रवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भूपाल नोबल्स विद्या प्रचारिणी सभा के 104 वें स्थापना दिवस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि व्यक्त किए।

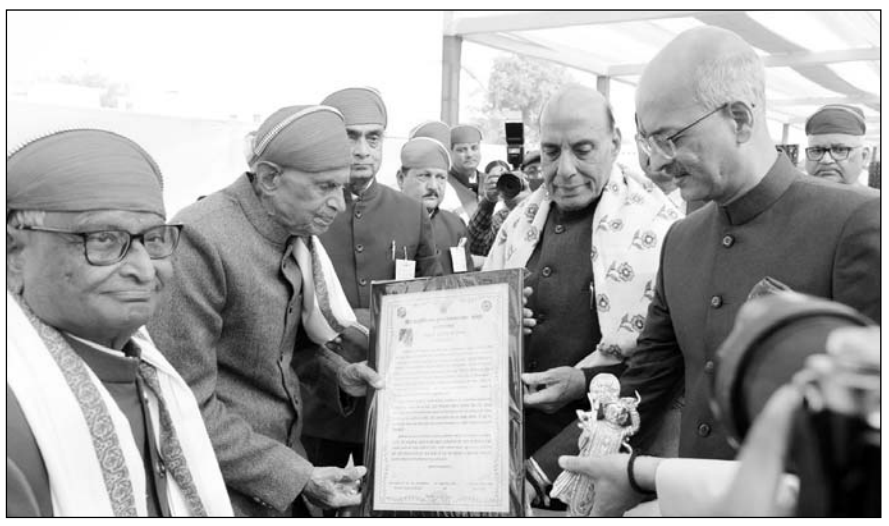

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने समारोह में उत्कृष्ट विभूतियों को लाइफ टाइम अचीवमेंट व खिलाड़ियों को बीएन प्राइड अवार्ड से नवाज़ा।

- **प्रो. सारंगदेवोत ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के समक्ष मेवाड़ क्षेत्र में सैनिक विद्यालय की स्थापना की मांग रखी**

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि शिक्षा केवल ज्ञान अर्जन का माध्यम नहीं, बल्कि समाज, राष्ट्र और भविष्य की पीढ़ियों के निर्माण का सशक्त आधार है। रक्षा मंत्री ने कहा कि स्थापना दिवस भविष्य को उत्कृष्ट बनाने की प्रतिबद्धता का प्रतीक होता है। उन्होंने संस्थान की विकास यात्रा, उसके संघर्षों तथा स्थापना के दौरान आए धैर्य और समय की परीक्षाओं का उल्लेख करते हुए जीवन के लक्ष्यों के प्रति समर्पण की आवश्यकता पर बल दिया। राजनाथ सिंह ने महाराणा भोपाल सिंह द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में दिए गए योगदान और साक्षरता बढ़ाने के प्रयासों को याद किया। उन्होंने कहा कि भूपाल सिंह का शौर्य व राष्ट्रभक्ति सर्वोपरि थी तथा उनके लिए राष्ट्र सर्वोच्च स्थान पर था।

राजनाथ सिंह ने कहा कि नई शिक्षा नीति 2020 भारत की सांस्कृतिक और बौद्धिक विरासत के साथ परंपरागत ज्ञान तथा आधुनिक शिक्षा का संतुलित समन्वय है। समारोह से पूर्व रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने संस्थान परिसर में लगी महाराणा भूपाल सिंह की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। सिंह का कार्यकारिणी के सदस्यों द्वारा गुलाब कली देकर स्वागत किया गया उसके बाद एनसीसी कैडेट्स द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

कार्यकारी अध्यक्ष प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत ने कहा कि आज विश्व युद्ध कलाओं और कौशलों के एक संक्रमणकाल से गुजर रहा है। पारंपरिक युद्धों के स्थान पर अब युद्ध का स्वरूप हार्डवेयर से सॉफ्टवेयर की ओर तेजी से बदल रहा है, जहां साइबर सुरक्षा और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका लगातार बढ़ती जा रही है। ऐसे समय में रक्षा मंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व के कारण भारत ने रक्षा क्षेत्र में ऐतिहासिक परिवर्तन किया है और आज युद्ध उपकरणों में आयातक से निर्यातक राष्ट्र के रूप में अपनी पहचान स्थापित की है। प्रो. सारंगदेवोत ने कहा कि संस्थान ने शिक्षा के माध्यम से राष्ट्र सेवा, संस्कार और चरित्र निर्माण को सदैव अपने मूल उद्देश्य के रूप में अपनाया है। उन्होंने रक्षा मंत्री के समक्ष मेवाड़ क्षेत्र में सैनिक विद्यालय की स्थापना की मांग रखी।

प्रधान संरक्षक एवं अध्यक्ष महाराणा विश्वराज सिंह मेवाड़ ने संस्थान की स्थापना में महाराणा भूपाल सिंह के अमूल्य योगदान को विस्तार से रेखांकित किया। विशिष्ट अतिथि सांसद मन्नालाल रावत ने इस क्षेत्र ने सदैव शिक्षा, संस्कृति और राष्ट्र हित को सर्वोपरि माना है। चित्तौड़गढ़ सांसद सी.पी. जोशी ने कहा कि यह संस्थान शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर प्रयास करते हुए राष्ट्र के प्रति समर्पित पीढ़ी के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

प्रबंध निदेशक मोहब्बत सिंह राठौड़ ने बताया कि संस्थान के विकास में योगदान देने के लिए 102 वर्षीय उदय सिंह पुरावत, तेज सिंह शक्तावत, रावत मनोहर सिंह कृष्णावत, गुणवंत सिंह झाला, प्रदीप सिंह सांगावत, कृष्ण सिंह सारंगदेवोत, चंद्रगुप्त सिंह चौहान, लाल सिंह झाला को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड व खेलों में विशिष्ट उपलब्धियों के लिए कार्तिकी सिंह शक्तावत, अपूर्वी चंदेला को बीएन प्राइड अवॉर्ड से नवाजा गया।

इसके साथ ही रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह एवं सम्मानित अतिथियों द्वारा प्रशासनिक भवन में बनी फतह आर्ट गैलेरी का लोकार्पण किया, जिसमें फतह सिंह से सम्बंधित फोटो एवं इतिहास को दर्शाया गया है।

आम रास्ते पर अतिक्रमण हटाने की मांग, ग्रामीणों का धरना जारी

- **आरोप है कि गांव के एक आम रास्ते पर कुछ लोगों ने दबंगई से चबूतरा बना दिया और उस पर भैरू की मूर्ति स्थापित कर दी**
- **धरने पर बैठे गांव के धर्मसिंह ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि मांगों को नहीं सुना गया तो वे सचिवालय गेट पर पेट्रोल डालकर आत्मदाह करेंगे**

अलवर, (निसं)। अलवर स्थित मिनी सचिवालय के गेट पर गुरुवार सुबह 11 बजे से रैणी क्षेत्र के लूनिया का बास भूड़ा गांव के लोग धरने पर बैठे हैं। ग्रामीण कड़ाके की ठंड और हल्की बूंदाबांदी के बावजूद पूरी रात सचिवालय गेट पर डटे रहे। रात में तापमान करीब सात डिग्री दर्ज किया गया। धरने में महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग भी शामिल रहे। कुछ लोगों ने तिरपाल और कंबल ओढ़े, तो कुछ अलाव तापते नजर आए। आरोप है कि गांव के एक आम रास्ते पर कुछ लोगों ने दबंगई से चबूतरा बना दिया और उस पर भैरू की मूर्ति स्थापित कर दी। आरोप है कि यह निर्माण पटवारी की मौजूदगी में रात के समय करवाया गया। धरने पर बैठे गांव के धर्मसिंह ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि मांगों को नहीं सुना गया तो वे सचिवालय गेट पर पेट्रोल डालकर आत्मदाह करेंगे। इसकी जिम्मेदारी पटवारी, तहसीलदार, एसडीएम और कलैक्टर की होगी। उन्होंने आरोप लगाया कि गुरुवार से धरने पर बैठे होने के बावजूद प्रशासन ने अब तक कोई सुध नहीं ली है।

धर्मसिंह ने बताया कि गांव के एक आम रास्ते पर कुछ लोगों ने दबंगई से चबूतरा बना दिया और उस पर भैरू की मूर्ति स्थापित कर दी। आरोप है कि यह निर्माण पटवारी की मौजूदगी में रात के समय करवाया गया।

इस मामले में तहसीलदार कैलाशचंद मेहरा ने 3 दिसंबर 2025 को चबूतरा निर्माण के बाद 7 आरोपियों के खिलाफ मामला भी दर्ज करवाया था। ग्रामीणों का कहना है कि उक्त रास्ते के लिए पहले ही राजस्व विभाग में शुल्क जमा करवाया जा चुका है। इससे यह रास्ता आमजन के लिए स्वीकृत है। इसके बावजूद अब तहसीलदार, एसडीएम और पटवारी मिलकर उस रास्ते पर स्टे लगवाने का प्रयास कर रहे हैं। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि आरोपी पक्ष और संबंधित अधिकारी एक ही जाति के होने का फायदा उठाकर आम रास्ते को बंद रखा जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि रास्ता बंद होने से गांव की स्थिति बेहद खराब हो गई है। पानी के टैंकर गांव तक नहीं आ पा रहे हैं और पशुओं को पानी पिलाने के लिए एक किलोमीटर दूर ले जाना पड़ रहा है। इसी कारण सभी ग्रामीणों ने कामकाज बंद कर रखा है।

ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि प्रशासन द्वारा कुछ फर्जी हस्ताक्षर करवा लिए गए हैं, जिनमें यह दिखाया जा रहा है कि रास्ता बंद होने पर गांव वालों को कोई आपत्ति नहीं है। वहीं शुक्रवार सुबह भी ग्रामीण सचिवालय गेट पर धरने पर डटे रहे और प्रशासन से तुरंत कार्रवाई की मांग की।

जमीन निवेश में मुनाफे का लालच देकर तीन लाख रुपए हड़पे

- **पीड़ित ने दोस्त पर लगाया आरोप, मुकदमा दर्ज कराया**

अजमेर, (निसं)। अलवर गेट थाना क्षेत्र में जमीन के नाम पर निवेश कराने का भरोसा दिलाकर ठगी का मामला सामने आया है। पीड़ित युवक ने अपने ही दोस्त पर करीब तीन लाख रुपए हड़पने का आरोप लगाया है। युवक ने यह रकम अपनी बहन की सहेली से उधार लेकर और गहने फाइनेंस कर जुटाई थी। अलवर गेट थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार मिस्त्री मोहल्ला गुलाबबाड़ी निवासी विष्णु बैरवा ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि उसकी बहन की सहेली शिवानी उनके घर के पास रहती है। विष्णु ने शिवानी से अलग-अलग किस्तों में रकम उधार ली। 1 लाख 19 हजार रुपए ऑनलाइन, 55 हजार रुपए नगद और 1 लाख 30 हजार रुपए गहने फाइनेंस कर प्राप्त किए। पीड़ित का कहना है कि ब्यावर निवासी जमीन कारोबारी दोस्त दौलत को पूरी रकम दे दी। शिकायत में विष्णु ने बताया कि दौलत ने जमीन के व्यापार में पैसा लगाने पर अच्छा मुनाफा होने का झांसा दिया था। पीड़ित का आरोप है कि पैसे लेने के बाद दोस्त ने न तो मुनाफे की कोई जानकारी दी और न ही रकम लौटाई। उल्टा करीब तीन लाख रुपए की राशि हड़प ली। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अजमेर के जेएलएन अस्पताल में वाहन पार्किंग को लेकर विवाद

- **पांच रुपए के बदले वसूल रहे बीस रुपए, पीड़ित ने अस्पताल प्रशासन से शिकायत की**

अजमेर, (निसं)। जवाहरलाल नेहरू अस्पताल में आने वाले मरीजों और उनके परिजन से वाहन पार्किंग के नाम पर पार्किंग के ठेकेदार के कर्मचारियों द्वारा खुलेआम अवैध वसूली का मामला सामने आया है। शुक्रवार को एक पीड़ित ने अस्पताल प्रशासन से इसकी शिकायत की है।

जेएलएन अस्पताल में शुक्रवार को सोनोग्राफी के लिए पहुंची पीड़ित कमला ने बताया कि पार्किंग पर्ची के नाम पर उससे 20 रुपए लिए, जबकि पार्किंग की पर्ची पर दर 5 रुपये अंकित है। उन्होंने कहा कि इलाज के तनाव में पहले से ही परेशान होते हैं, ऊपर से पार्किंग पर बहस कर समय खराब होता है। वहीं अरविंद जैन ने बताया कि वे वार्ड में भर्ती मरीज से मिलने अस्पताल आए थे, पार्किंग पर 20 रुपये मांगे गए तो उन्होंने आपत्ति जताने पर हंगामा हो गया। उन्होंने बताया कि अस्पताल में प्रतिदिन हजारों लोग आते और जाते हैं। उन्होंने कहा कि अस्पताल परिसर की वाहन पार्किंग में टेंडर शर्तों के अनुसार दोपहिया वाहन का निर्धारित शुल्क मात्र 5 रुपये है, लेकिन मौके पर 20 रुपये तक वसूले जा रहे हैं। यानी तय दर से चार गुना वसूली हो रही है।

लोगों का आरोप है कि वाहन पार्किंग के नाम पर अस्पताल में अवैध वसूली की घटना एक दिन की नहीं, बल्कि रोजमर्रा की बन चुकी है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि प्रतिदिन अस्पताल में हजारों दोपहिया वाहन आते हैं तो 15 रुपये प्रति वाहन की अतिरिक्त वसूली के हिसाब से रोजाना 20 से 25 हजार रुपये तक की अवैध कमाई हो रही है। उन्होंने अस्पताल प्रशासन पर सवाल उठाए कि अवैध वसूली किसकी निगरानी में हो रही है और शिकायतों के बाद भी कार्रवाई क्यों नहीं हो रही, जिससे अस्पताल प्रबंधन की भूमिका पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

टेंडर की शर्तों के विपरीत वसूली सीधे तौर पर अनुबंध उल्लंघन और भ्रष्टाचार की श्रेणी में आती है। अस्पताल प्रबंधन की चुप्पी पर लोगों ने कथित मिलीभगत का आरोप लगाया है। कई परिजनों का कहना है कि शिकायत करने पर पार्किंग कर्मी बहस करते हैं, लेकिन प्रशासनिक स्तर पर कोई सुनवाई नहीं होती। मरीजों और परिजनों की मांग है कि पार्किंग टेंडर की शर्तों के अनुसार दरों का कड़ाई से पालन कराया जाए, अतिरिक्त वसूली करने वालों पर कार्रवाई हो और अब तक की अवैध वसूली की जांच कर जिम्मेदारों की जवाबदेही तय की जाए।

'उद्दंडी लोगों पर पुलिस-प्रशासन ने की सराहनीय कार्रवाई'

विधायक बालमुकुंदाचार्य ने चौमूं प्रकरण पर बयान दिया

जयपुर, (कासं)। विधायक बालमुकुंदाचार्य ने कहा है कि चौमूं में अराजकता फैलाने वाले पत्थरबाजों के विरूद्ध पुलिस की कार्रवाई सराहनीय है। संपूर्ण राजस्थान में चौमूं की घटना से उद्दंडियों ने माहौल, भाईचारा, समृद्धि और विकास को खराब करने का प्रयास किया था। राज्य सरकार और पुलिस की यह कार्रवाई उनके लिए सजा है। उन्होंने कहा कि ऐसे लोग कायदे में रहेंगे तो फायदें में रहेंगे। अगर नियम कायदे के बाहर काम करेंगे तो पुलिस प्रशासन की कार्रवाई होगी।

विधायक बालमुकुंदाचार्य ने प्रदेश के विकास एवं समृद्धि में सभी के योगदान और केन्द्र सरकार व राज्य सरकार की योजनाओं का फायदा लेने की अपील की है। उन्होंने कहा कि कश्मीर में कभी पत्थरबाज हुआ करते थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने ऐसे लोगों के हाथों में कलम और रोजगार दिया। जिससे कश्मीर में अच्छी शिक्षा है और वह व्यापार से विकास तथा समृद्धि की ओर बढ़ रहा है।

विधायक बालमुकुंदाचार्य ने कहा है कि केन्द्र सरकार के मागदर्शन में राजस्थान में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में दो वर्ष में ऐतिहासिक विकास के काम हुए हैं। अगर प्रदेश की इस यात्रा में कोई खलल डालने और आबोहवा बिगाड़ने तथा कायदे से बाहर जाकर काम करने का प्रयास करेगा तो उसके लिए प्रशासन का डंडा तैयार रहेगा।

डिलीवरी एजेंट बनकर कॉल फॉरवर्डिंग के जरिए की जा रही है सायबर ठगी

जयपुर, (कासं)। राजस्थान पुलिस की सायबर क्राइम थ्रेट एनालिटिक्स यूनिट ने साइबर ठगी के एक बेहद खतरनाक और नए तरीके यूएसएसडी आधारित कॉल फॉरवर्डिंग स्कैम का खुलासा किया है। महानिदेशक पुलिस, साइबर क्राइम के मार्गदर्शन में जारी इस एडवाइजरी में बताया गया है कि कैसे ठग डिलीवरी एजेंट बनकर आपकी कॉल फॉरवर्डिंग के जरिए आपकी डिजिटल पहचान और जमा पूंजी पर डाका डाल रहे हैं।

पुलिस उपमहानिरीक्षक साइबर क्राइम विकास शर्मा ने बताया कि इस नए ट्रेंड में अपराधी कूरियर या डिलीवरी सर्विस एजेंट बनकर नागरिकों से संपर्क करते हैं। वे पार्सल की डिलीवरी कन्फर्म करने या उसे रीशेड्यूल करने का बहाना बनाकर पीड़ित को झांसे में लेते है। इसके बाद पीड़ित को एसएमएस के जरिए एक कोड भेजा जाता है जो अक्सर 21, 61 या 67 से शुरू होता है और उसके पीछे ठग का मोबाइल नंबर होता है। अपराधी इस कोड को डायल करने का दबाव बनाते हैं, जिसे यूएसएसडी (अनस्ट्रक्चर्ड सप्लीमेंट्री सर्विस डेटा) कहा जाता है।

जैसे ही पीड़ित अपने फोन से यह कोड डायल करता है, उसके मोबाइल की कॉल फॉरवर्डिंग सेवा अपने आप सक्रिय हो जाती है। इसके बाद पीड़ित के फोन पर आने वाले सभी महत्वपूर्ण कॉल, बैंक पेमेंट के ओटीपी वेरिफिकेशन कॉल, और यहाँ तक कि व्हाट्सएप या टेलीग्राम के ऑथेंटिकेशन कोड सीधे ठग के फोन पर चले जाते हैं। इसका परिणाम यह होता है कि अपराधी पीड़ित के बैंक खातों से अनाधिकृत वित्तीय लेनदेन कर लेते हैं और उनके सोशल मीडिया अकाउंट्स को भी हैक कर लेते हैं।

सायबर क्राइम शाखा ने नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी अनजान कॉलर के कहने पर कोई भी कोड डायल न करें। यदि आपको संदेह है कि आपकी कॉल फॉरवर्ड हो रही है, तो तुरंत 002 डायल करें, जिससे सभी कॉल फॉरवर्डिंग सेवाएं तुरंत कैंसिल हो जाएंगी। इसके अलावा, किसी भी कूरियर की जानकारी हमेशा आधिकारिक वेबसाइट या कस्टमर केयर नंबर से ही वेरिफाई करें और एसएमएस या व्हाट्सएप पर आए संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें।

रामपुरा में अण्डरब्रिज निर्माण की मांग

- **जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा को 120 किलोमीटर दूर से आये रामपुरा बेरी के ग्रामीणों ने ज्ञापन दिया**

सादुलपुर, (निसं)। जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा को 120 किलोमीटर दूर से आये रामपुरा बेरी के ग्रामीणों ने नये साल की शुभकामनायें दी और वर्षो से अपने खेतों के रास्ते में आवागमन में हो रहे अवरूद्ध रास्ते को खोलने के लिए रामपुरा में रेलवे लाइन के नीचे अण्डर ब्रिज की निर्माण की माँग को लेकर जिला कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन भेजा। ज्ञापन में बताया कि रामपुरा के सैकडों किसानों को बन्द रास्ते के कारण खेतों में जुताई के लिए ट्रेक्टर ले जाने के लिए बड़ी मसक्कत करनी पडती है। खेतों में पैदा अनाज को घर व बाजार में ले जाने के रास्ते अवरूद्ध रहते हैं, जिसको घर और बाजार में ले जाने के लिए सभी खेतों में खाली होने का इंतजार करना पड़ता है और 500 मीटर की दूरी छह किलोमीटर होकर तय करनी पड़ती है, जिससे अनाज को घर और बाजार में ले जाने के लिए मालवाहन अधिक राशि वसुलते है। इसलिए ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन में वर्षो पुराने 24 फीट चौड़े गांव में गौशाला के पास होते हुए संबन्धित किसानों के खेत को रास्ता ढाणा वाला रास्ता में अण्डरब्रिज बनाकर ग्रामीणों को आवागमन को सुगम बनाने की माँग की है। ज्ञापन देने वाले ग्रामीणों के प्रतिनिधिमण्डल में रामावतार मीणा, सुरेन्द्र बहलान, किशनलाल बहलाना, ओमप्रकाश मीण, सुन्दर शेखावत, सुरतानन्द बहलान, जगदीश चेतिवाल, कृष्ण अग्रवाल, राजू चेतिवाल व डॉ. विजय मीणा आदि उपस्थित रहे।

शीतलहर का असर जारी

छबड़ा। शीतलहर के साथ ही कोहरे अपने रौद्र रूप में है। शाम होते ही लोग घरों में दुबकने को मजबूर है। कोहरे ने ना सिर्फ वाहनों की रफ्तार को काम कर दिया, बल्कि जनजीवन पर भी असर डाला। पहली जनवरी से ही तेजी से पारा गिरने लगा और शीतलहर का असर दिखने लगा। सुबह दूसरे दिन जब लोग जागे तो आसमान में घना कोहरा कब्जा किए हुए था।

डॉ. अम्बेडकर के खिलाफ गलत टिप्पणी करने के दोषी की गिरफ्तारी की मांग

आक्रोशित जनों से थाना इंचार्ज गौरव खिडिया ने वार्ता की, इसके बाद मामला शांत हुआ

रतनगढ़, (निसं)। सोशल मीडिया पर डॉ. बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर एवं एस.सी एस.टी समाज के खिलाफ अपमानजनक और असंसदीय शब्दों के साथ गाली-गलौज करने वाले युवक की गिरफ्तारी नहीं होने पर लोगों ने विरोध जताया।

शुक्रवार को सैकड़ों आक्रोशित ग्रामीण जन राजस्थान शिक्षक संघ (अंबेडकर) के जिलाध्यक्ष शिवाराम मेघवाल, पूर्व प्रधान संतोष तालणिया व हनुमान छाबड़ी के नेतृत्व में रतनगढ़ थाने परिसर पहुंचे और दोषी व्यक्ति को गिरफ्तार नहीं करने पर गहरा आक्रोश प्रकट करते हुए थाने के समक्ष पुरजोर तरीके से नारेबाजी कर अपना विरोध जताया। वहीं दोषी के विरुद्ध तत्काल प्राथमिकी दर्ज कर उसे तत्काल गिरफ्तारी करने की मांग पर अड़ गये। आक्रोशित जनों से थाना इंचार्ज गौरव खिडिया ने वार्ता की। थानाधिकारी के आश्वासन पर आक्रोशित जन बड़ी मुश्किल से माने और दोषी को तत्काल गिरफ्तारी कर शहर में परेड करवाने की मांग की, ताकि आमजन के मध्य यह उदाहरण सामने आये की भारत रत्न से विभूषित व्यक्तित्व व किसी समाज विशेष के विरुद्ध वाणी निकालनी कितनी महँगी साबित हो सकती है और भविष्य में कोई इस प्रकार से क्षेत्र की गंगा जमुनी विरासत को दूषित करने से पूर्व सोचने को बाध्य हो कि सामाजिक सौहार्द्र और सद्भाव बिगाड़ने का यह नतीजा आ सकता है। इस अवसर पर पार्षद राजेश गहलोत, अ्सरपंच भानीराम मेघवाल, सरपंच देवीलाल, भंवरलाल गोपालपुरिया, श्रवण जैतासर, जगदीश घुघरवाल, श्रवण बारूपाल, श्रवण जोईया, श्रवण सोडा, लालचंद पंवार, मदनलाल जाखड़, मुस्ताक खां, लालचंद मीणा, मंगतूराम मंडीवाल, संदीप धानिया सहित सर्वे समाज लोग उपस्थित थे।

चौमूं पथराव मामला : अवैध बूचड़खानों और निर्माणों को बुलडोजर से तोड़ा

नगर परिषद प्रशासन अवैध निर्माणों को बुलडोजर से तोड़ दिया। इस दौरान भारी पुलिस जाब्ता तैनात रहा।

- **अवैध निर्माण को हटाने के दौरान नगर परिषद की टीम ने तीन बिल्डिंग को सील भी किया**

चौमूं/कालाडेरा/जयपुर। जयपुर के चौमूं कस्बे में 25 दिसंबर को पुलिस पर हुई पत्थरबाजी की घटना के बाद प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए शुक्रवार को अतिक्रमण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है। धार्मिक स्थल से जुड़े अतिक्रमण विवाद के बाद हालात बिगड़ने और हिंसा फैलाने के मामले में चिन्हित किए गए पत्थरबाजों के घरों व अवैध निर्माणों पर नगर परिषद की टीम ने बुलडोजर कार्रवाई की। वहीं अवैध निर्माण को हटाने के दौरान तीन बिल्डिंग को सील भी किया गया।

वहीं इससे पहले अवैध निर्माण करने वालों को नगर परिषद प्रशासन ने नोटिस जारी कर तीन दिन का समय दिया गया था। इसके बाद अवैध बिल्डिंग पर निशान लगाए गए थे। इस दौरान मौके पर डीसीपी वेस्ट हनुमान प्रसाद मीणा, एडिशनल डीसीपी राजेश गुप्ता, आईपीएस उषा यादव, चौमूं थाना प्रभारी प्रदीप शर्मा सहित कई अन्य थानों के एसएचओ सहित भारी पुलिस जाब्ता मौके पर तैनात रहा। साथ ही प्रशासन और पुलिस पूरी तरह मुस्तैद रहा और हालात पर कड़ी नजर रखी गई। इस दौरान इमाम चौक और पठान चौक में अवैध अतिक्रमण तोड़ने के दौरान नगर परिषद और पुलिस प्रशासन को कार्रवाई के दौरान मौके से एयरगन और धारदार हथियार भी बरामद हुए हैं।

चौमूं थाना प्रभारी प्रदीप शर्मा ने बताया कि पुलिस ने पथराव में शामिल 24 पत्थरबाजों के घरों पर नोटिस चस्पा कर तीन दिन में जवाब मांगा था। नोटिस की अवधि 31 दिसंबर को पूरी हो गई थी, लेकिन संबंधित लोगों ने न तो जवाब दिया और न ही कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत किए। इसके बाद नगर परिषद ने अवैध निर्माण हटाने का निर्णय लिया। चौमूं एसएचओ प्रदीप शर्मा ने बताया कि तोड़ने की कार्रवाई नगर परिषद प्रशासन कर रहा है। पुलिस की तैनाती यहां किसी स्थिति से निपटने के लिए की गई है। नगर परिषद की टीम ने पठान कॉलोनी, बस स्टैंड और इमाम चौक सहित विभिन्न इलाकों में बुलडोजर चलाया गया।

अतिक्रमण हटाने के दौरान इमाम चौक क्षेत्र में कुछ लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया, लेकिन पुलिस ने मौके पर पहुंचकर समझाइश की, जिसके बाद स्थिति शांत हो गई। एसएचओ प्रदीप शर्मा ने बताया कि अब तक दो दर्जन से अधिक अतिक्रमणों पर कार्रवाई की जा चुकी है और संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

इस कार्रवाई पर उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि चौमू में कानून को हाथ में लेने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर सख्त कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि कानून के समर्थन में है। राजस्थान में शांतिभंग करने वालों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति है। कानून से ऊपर कोई नहीं है। नगर परिषद चौमूं के सहायक लेखाधिकारी सुनील कुमार स्वामी ने बताया कि नगर परिषद ने सड़क सीमा में संचालित अवैध मीट व नॉनवेज दुकानों और अवैध रैंप-सीढ़ियों को हटाने की कार्रवाई की गई।

डीसीपी वेस्ट हनुमान प्रसाद मीणा ने बताया कि चौमूं में कुल 20 अवैध अतिक्रमणों को तोड़ा गया है। तीन कॉमर्शियल बिल्डिंगों के खिलाफ भी नगर परिषद ने कार्रवाई की है। इस प्रकरण में फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है। वहीं भाजपा प्रदेश प्रवक्ता व पूर्व विधायक चौमूं रामलाल शर्मा ने कहा कि चौमूं में 25 दिसंबर की घटना के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सरकार द्वारा अतिक्रमण और उपद्रवियों पर की गई कड़ी कार्रवाई स्वागत योग्य है। राजस्थान में कानून का राज है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि राजस्थान की भाजपा सरकार पत्थरबाजों और उपद्रवियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है।

सरस राजसखी मेले में उत्साह और सहभागिता चरम पर

मेले में दर्शकों और प्रतिभागियों के बीच खासा उत्साह देखने को मिला

जयपुर। सरस राजसखी राष्ट्रीय मेला 2025 अब अपने अंतिम पड़ाव की ओर अग्रसर है, और जैसे-जैसे समापन नज़दीक आ रहा है, मेले का उत्साह और आकर्षण अपने शिखर पर दिखाई दे रहा है।

मेले में दर्शकों और प्रतिभागियों के बीच खासा उत्साह देखने को मिला। इसकी प्रमुख वजह शनिवार को इन्फ्लुएंसर्स और विज़िटर्स के लिए आयोजित विशेष कॉन्टेस्ट के नतीजों को लेकर बना रोमांच रहा। परिणाम घोषित होने से ठीक एक दिन पहले प्रतिभागियों में बेहतर प्रदर्शन करने और आकर्षक पुरस्कार अपने नाम करने का जोश साफ झलक रहा था। मेले का हर कोना आज रचनात्मकता और उमंग से भरा नज़र आया। कहीं कैमरों की क्लिक सुनाई दे रही थी, तो कहीं सोशल मीडिया के लिए रील्स और वीडियो बनाते युवा दिखाई दिए। नए साल के आगमन की खुशी ने भी इस उत्सव में चार चांद लगा दिए, जिसके चलते पिछले दिनों की तुलना में आज फुटफॉल में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। इसके साथ ही मेले में प्रतिदिन आयोजित होने वाले लकी ड्रा ने भी खरीदारों के उत्साह को लगातार बनाए रखा है। लकी ड्रा के माध्यम से फ्रिज, वॉशिंग मशीन और स्मार्टफोन जैसे आकर्षक इनाम जीतने का अवसर ग्राहकों को अधिक खरीदारी के लिए प्रेरित कर रहा है, जिससे मेले में बिक्री को भी खासा बढ़ावा मिला है।